राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

जन–सम्पर्क अनुभाग

118, विद्युत भवन, जनपथ, ज्योतिनगर, जयपुर–302005

फोन – 0141–2741825, ईमेल– pro@rrvun.com

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने छबड़ा में 1320 मेगावाट की दो सुपरक्रिटिकल इकाईयां राष्ट्र को समर्पित की

छबड़ा, 30 जून 2019

माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान श्री अशोक गहलोत द्वारा प्रथम सुपरक्रिटिकल तकनीक पर आधारित इकाई 5 एवं 6 के द्वितीय चरण (2x660 मेगावाट) का लोकार्पण आज मध्यान्ह 12:00 बजे छबड़ा तापीय विद्युत गृह, छबड़ा, जिला बारां में किया गया। समारोह की अध्यक्षता माननीय ऊर्जा मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला ने की। समारोह के विशिष्ट अतिथि नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री तथा खान एवं गोपालन मंत्री श्री प्रमोद भाया रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक गण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोकार्पण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने बताया कि 660–660 मेगावाट क्षमता की प्रथम सुपरक्रिटिकल तकनीकी आधारित छबड़ा तापीय विद्युत गृह की इकाई 5 एवं 6 से कुल 1320 मेगावाट क्षमता होने के साथ ही इन इकाईयों द्वारा विद्युत उत्पादन आरम्भ करने पर इस विद्युत गृह की कुल क्षमता 1000 मेगावाट से बढ़कर 2320 मेगावाट हो गई है। दोनों इकाइयों से राज्य को प्रतिदिन करीब 316.80 लाख यूनिट बिजली प्राप्त हो रही है जिससे राज्य के लगभग 78 लाख नये उपभोक्ताओं को लाभान्वित किया जा सकेगा। इससे न केवल राज्य की विद्युत मांग की पूर्ति होगी वरन् प्रदेश विद्युत उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। सुपरक्रिटिकल इकाइयों के निर्माण एवं सफलतापूर्वक वाणिज्यिक उत्पादन के लिए मुख्यमंत्री ने उत्पादन निगम के कर्मचारियों एवं एल. एण्ड टी. के अभियन्ताओं के अथक परिश्रम की सराहना भी की। उन्होने बताया कि इससे पूर्व कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा छबड़ा एवं सूरतगढ़ में सुपरक्रिटिकल इकाइयों के निर्माण हेतु स्वीकृति दी गई थी।

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि वर्तमान सरकार के पूर्व कार्यकाल में (दिसम्बर 2008 से नवम्बर 2013 तक) 2030 मेगावाट क्षमता की वृद्धि की गई थी। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम की वर्तमान में कुल उत्पादन क्षमता 7277.35 मेगावाट है। राज्य के विभिन्न स्रोतों से वर्तमान में कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 21,770 मेगावाट है। तथा इस विद्युत परियोजना में बारां एवं आसपास के विभिन्न कामगारों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लगभग 1400 लोगों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों यथा बाड़मेर, जैसलमेर और जोधपुर में सौर व पवन ऊर्जा की प्रबल सम्भावनाएं हैं। उन्होने बताया कि अपने प्रथम कार्यकाल के दौरान से ही सौर एवं पवन ऊर्जा हेतु नीति बनाकर कार्य प्रारम्भ कर दिया था जिसका परिणाम है कि आज प्रदेश में 2400 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा एवं 4000 मेगावाट से अधिक पवन ऊर्जा प्राप्त हो रही है। राज्य की विद्युत आवश्यकताओ की पूर्ति करने हेतु सरकार इन संसाधनों के दोहन को उच्च प्राथमिकता दे रही है।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए ऊर्जा मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला ने इस लोकार्पण के लिए समस्त राजस्थान वासियों को बधाई देते हुए बताया कि राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए विद्युत अनिवार्य घटक है। उन्होने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए बोला कि उनके नेतृत्व में मंत्रिमण्डल ने पूर्व राज्य सरकार द्वारा लिए गए छबड़ा एवं कालीसिन्ध तापीय परियोजनाओं के विनिवेश के फैसले को रदद् कर इन तापीय परियोजनाओं को राज्य सरकार के उपक्रम के तौर पर ही चलाने का निर्णय लिया गया है। उन्होने यह भी बताया कि सूरतगढ़ सुपरक्रिटिकल थर्मल परियोजना की इसी प्रकार की सुपरक्रिटिकल तकनीक पर आधारित इकाई 7 एवं 8 जिनकी कुल क्षमता 1320 मेगावाट है से भी वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन इसी वित्त वर्ष में अक्टूबर 2019 एवं फरवरी 2020 में प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

ऊर्जा मन्त्री ने यह भी बताया कि उपभोक्ताओं को उनके मांग के अनुरूप वाजिब दामों में अच्छी क्वालिटी की बिजली उपलब्ध करवाना ही हमारा ध्येय है। कृषि उपभोक्ताओं को दिन में 6.30 घन्टे तथा रात में 7 घन्टे के ब्लॉको में बिजली दी जा रही है। क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिदिन 20 से 22 घंटे बिजली दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिदिन 20 से 22 घंटे बिजली दी जा रही है। क्षेत्र में गांवों व ढ़ाणियों को विद्युतीकृत किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत वितरण तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए नए जीएसएस बनाए जा रहे है जिनके निर्माण के पश्चात अच्छी गुणवत्ता व उचित मापस्तर वोल्टेज की बिजली किसानों को बिना व्यवधान के प्राप्त हो सकेगी। मैं यह कहना चाहूगां कि राजस्थान में विद्युत क्षमता बढ़ाने तथा उसके समुचित प्रसारण व वितरण के लिए विद्युत कम्पनियों के प्रयत्नों को इस सरकार का पूर्ण सहयोग रहेगा। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आगे बताया कि राजस्थान के दोनों प्रमुख ताप बिजलीघरों सूरतगढ़ सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन और कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के साथ–साथ छबड़ा सुपर थर्मल पावर स्टेशन ने भी देष के श्रेष्ठ ताप बिजलीघरों में अपना अग्रणी स्थान बनाया हुआ है। तीनो ही विद्युत गृहों ने प्रारम्भ से ही राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसनीय उत्पादकता पुरस्कार अर्जित किये है तथा यह सिलसिला अनवरत चल रहा है। उन्होने सभा में उपस्थित आमजन से पानी की ही भांति बिजली भी बचाने का आह्वान किया।

लोकार्पण समारोह में विशिष्ट अतिथि नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्री शांति कुमार धारीवाल ने उद्बोधन के दौरान प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बोला कि राज्य में इन विद्युत परियोजनाओं से सतत विद्युत आपूर्ति होने पर यहां कृषि और उद्योगों का विकास और विस्तार होने के साथ–साथ सभी क्षेत्रों में प्रगति होगी। लोगों का जीवन स्तर समृद्ध और खुशहाल होगा। उन्होने बताया कि इन सुपरक्रिटिकल इकाइयों का शिलान्यास कांग्रेस सरकार द्वारा पूर्व कार्यकाल के दौरान किया गया था एवं अब लोकार्पण भी कांग्रेस सरकार द्वारा ही किया जा रहा है।

लोकार्पण समारोह में विशिष्ट अतिथि खान एवं गोपालन मंत्री, श्री प्रमोद भाया ने हर्ष के साथ बारां जिले के नागरिकों की ओर से आभार प्रकट करते हुए बताया कि इन विद्युत परियोजनाओं से स्थानीय नागरिकों को रोजगार की उपलब्धता में वृद्धि हुई है एवं अच्छी गुणवत्ता व उचित मापस्तर वोल्टेज की बिजली किसानों को बिना व्यवधान के प्राप्त हो सकेगी। उन्होने कहा कि हाड़ौती क्षेत्र पूरे देश में विद्युत हब के रुप में पहचाना जाने लगा है। साथ ही इस क्षेत्र में ओर विद्युत परियोजनाएं लगाने का आग्रह भी किया।

ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री नरेश पाल गंगवार ने बताया कि विगत वर्ष 2018–19 में छबड़ा सुपर थर्मल पावर स्टशन ने सर्वोत्तम प्लांट लोड फैक्टर 83.22 प्रतिशत अर्जित किया है। उन्होने कहा कि ये विद्युत गृह इसी प्रकार भविष्य में भी और अच्छा कार्य प्रदर्शन करते हुए राजस्थान का नाम देश में गौरवान्वित करेगें। यह भी बताया कि माननीय मुख्यमंत्रीजी ने ही गत कार्यकाल में छबड़ा तापीय विद्युत गृह की इन इकाइयों की स्थापना के लिये स्वीकृति दी थी। उन्होने बताया कि वर्ष 2021 तक राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरप्लस कैटेगरी में पहुॅच जायेगा।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री पी. रमेश ने लोकार्पण समारोह के अन्त में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि ये इकाईयां सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित होने के कारण इनकी प्रति यूनिट कोयले की खपत अपेक्षाकृत कम है। इस परियोजना की कोयला खदान क्षेत्र से दूरी कम होने के कारण कोयला परिवहन लागत राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अन्य विद्युतगृहों की अपेक्षा कम है। पर्यावरण संरक्षण के लिए छबड़ा विद्युतगृह में ड्राई फ्लाई ऐश हैण्डलिंग सिस्टम स्थापित किया जा चुका है जिससे 100 प्रतिशत ड्राई फ्लाईऐश का उपयोग संभव हो सका। इसके साथ ही वातावरण में राख के कणों को नियंत्रित करने के लिए 99.82 प्रतिशत क्षमता के इलैक्ट्रॉस्टेटिक प्रेसिपिटेटर्स स्थापित किए जा चुके हैं। परियोजना स्थल के एक तिहाई भू–भाग में वृक्ष लगाकर हरित क्षेत्र विकसित किया जा चुका है। उन्होने उपस्थित अतिथिगण, मीडिया, कर्मचारियों, परियोजना सलाहकार टाटा कन्सलटिंग इंजीनियरिंग तथा संयंत्रो की आपूर्ति व स्थापनाकर्ता एल. एण्ड टी. के अभियन्ताओं का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

————